कृशकों की दोगुनी आय वृद्धि में पशु उत्पादकता बढ़ाने क लिये पोशण संबंधी महती आवश्यकता–लघु पाठ्यक्रम का समापन

जबलपुर। दिनांक 1 अगस्त 2018। नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर में पशु पोषण विभाग, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के सभागार में, दिनांक 23 जुलाई 2018 से 1 अगस्त 2018 तक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित लघु पाठ्यक्रम का समापन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम माननीय डॉ. अनुपम मिश्रा, निर्देशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् कृषि प्रोद्यागिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, क्षेत्र–9, जबलपुर (म.प्र.) के मुख्य आतिथ्य एवं माननीय डॉ. प्रयाग दत्त जुयाल, कुलपति, नानाजी देशमुख पश चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर की अध्यक्षता में आयोजित हुआ।

डॉ. सुनील नायक, पाठ्यक्रम निर्देशक ने इन दस दिवसीय लघुपाठ्यक्रम की विस्तृत जानकारी पावर पाइंट प्रिजेंटेशन के माध्यम से दी। प्रदेश व देश के विभिन्न पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं प्रदश के कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केन्द्रों के 25 वैज्ञानिकों/विषय वस्तु विशेषज्ञों ने सक्रिय रूप से सहभागिता निभाई। इस पाठ्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के वैज्ञानिकों द्वारा पशु पोषण से संबंधित 19 व्याख्यान पावर पाइंट प्रिजेंटेशन, 4 प्रशिक्षण, 5 शक्षणिक भ्रमण क्रमशः पशुधन प्रक्षेत्र, आमानाला, संयुक्त पशधन प्रक्षेत्र, अधारताल, म.प्र. फेडरेशन मत्स्य प्रक्षेत्र, बरगी, व्यवसायिक पशु आहार संयंत्र एवं मत्स्य पालन महाविद्यालय आदि का भ्रमण कराया गया। दिनांक 1 अगस्त 2018 को लघुपाठ्यक्रम के तहत् प्रतिभागियों का मूल्याकंन एवं फीडबैक भी लिया गया। अधिष्ठाता पशुचिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, जबलपुर डॉ. आर.पी.एस. बघेल द्वारा बताया गया कि न्यूट्रीशनल टेक्नालॉजी के द्वारा पशुधन की उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है।

माननीय डॉ. पी.डी. जुयाल द्वारा उपस्थित प्राध्यापकों को कहा कि यह पशुपालन की क्राँति का समय है। इंटिग्रेटेड फार्मिंग से पशुपालन से ज्यादा उन्नति हुई है। पशुओ की सेहत से पोषण का महत्वपूर्ण योगदान है, प्रदेश में वर्तमान में अधिक दुग्ध उत्पादन हो रहा है यदि दुग्ध पदार्थो का प्रसंकरण किया जाता है तो इससे पशुपालकों की आय में दोगुनी वृद्धि संभावित है। इस हेतु हमारे क्षेत्र में डेयरी टेक्नालॉजी कॉलेज की महती आवश्यकता है।

डॉ. अनुपम मिश्रा द्वारा कार्यक्रम प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र वितरित किया गए। इन्होनें लघुपाठ्यक्रम के आयोजन की भूरि–भूरि प्रशंसा की है, साथ उन्होनें आश्स्वत भी किया कि यह पाठ्यक्रम ''कृषकों की दोगुनी आय वृद्धि में पशु उत्पादकता बढ़ाने के लिये पोषण संबंधी तकनीकी विद्या निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होगी।

इस समापन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के डॉ. एस.एन.एस. परमार, डॉ. यशपाल साहनी, डॉ. जी.पी. पाण्डेय, डॉ. श्रीकांत जोशी, डॉ. जे.के. भारद्वाज, डा. शशि महाजन, डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव, डॉ. ऐ.के. गोर, डॉ. विश्वजीत रॉय, डॉ. अंजू नायक, विभागाध्यक्षों एवं वैज्ञानिकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जायसी जोगी एवं आभार प्रर्द"ान डॉ. अंकुर खरे, द्वारा किया गया।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर